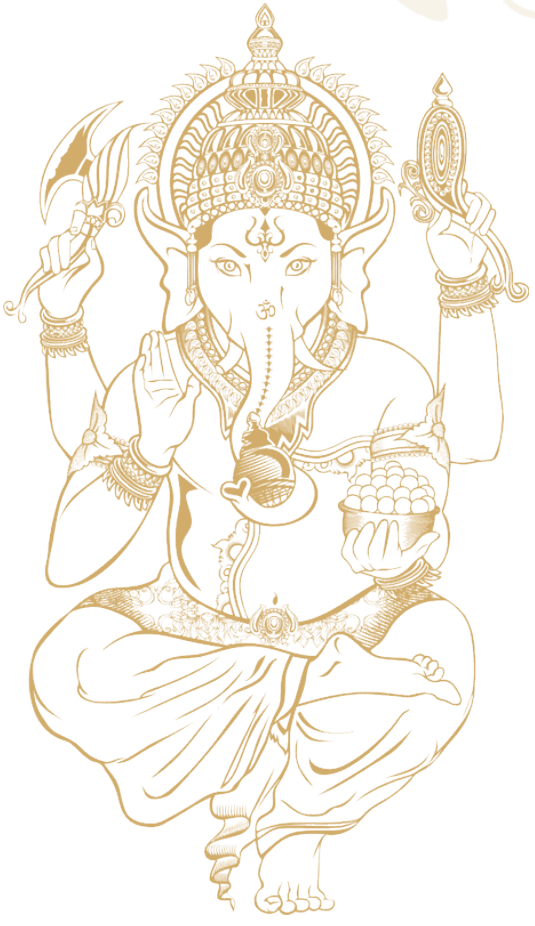

Himanshu

25 Feb 2002

12:30 AM

Pathankot

Model: web-freekundliweb

Order No: 121709011

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/02/2002**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	43:42:23 घटी
स्थान	**Pathankot**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	32:16:00 उत्तर
रेखांश	75:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:02:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:17 घंटे
साम्पातिक काल	10:20:47 घंटे
सूर्योदय	07:01:02 घंटे
सूर्यास्त	18:20:11 घंटे
दिनमान	11:19:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	12:06:33 कुम्भ
लग्न के अंश	01:05:51 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सौभाग्य
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:05:51	300:33:34	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	12:06:33	01:00:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	05:45:01	14:32:10	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	स्वराशि
मंगल			मेष	02:40:54	00:42:43	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			मक	15:43:16	01:07:50	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	11:46:46	00:00:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	22:03:14	01:14:56	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			वृष	14:24:44	00:01:53	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	29:34:24	00:03:11	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	29:34:24	00:03:11	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	01:34:31	00:03:26	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	15:35:01	00:02:05	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:35:09	00:00:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			सिंह	09:22:50	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:58

लग्न-चलित

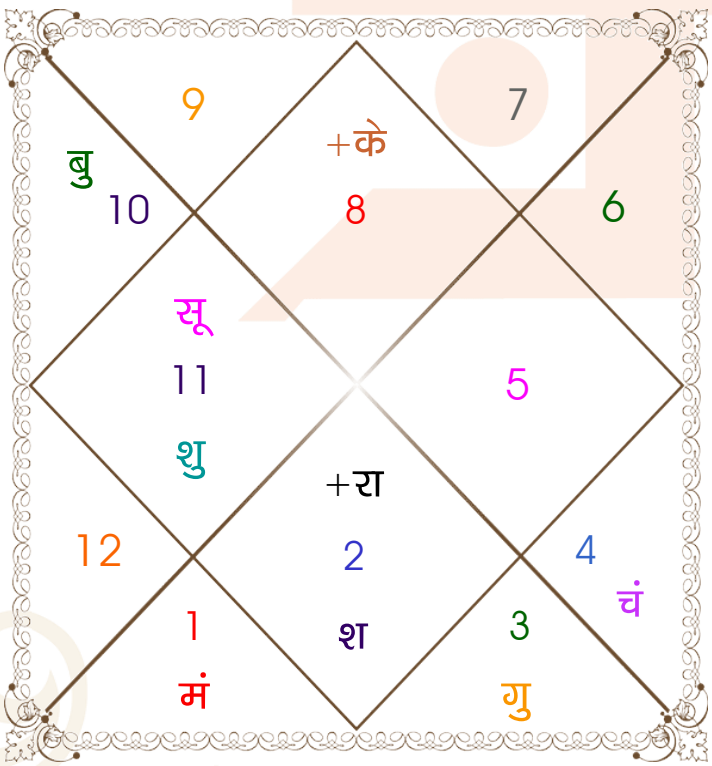

चन्द्र कुंडली

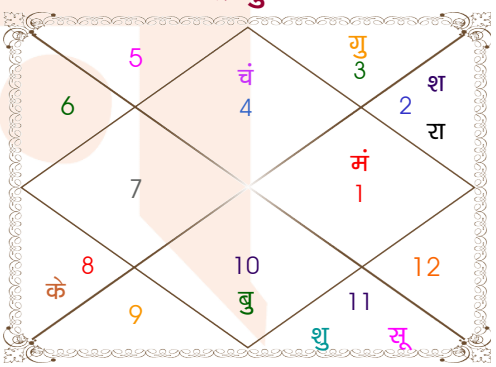

नवमांश कुंडली

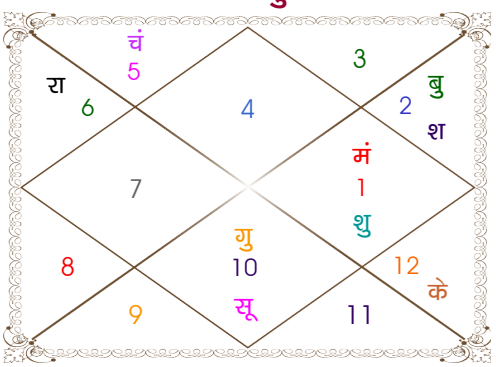

कृष्णा एस्ट्रोलॉजिकल रिसर्च सेंटर
359-बी न्यू शास्त्री नगर पठानकोट
8872543398
vishwaksharma20@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 6 मास 20 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/02/2002		15/09/2017		16/09/2034		15/09/2041		15/09/2061	
15/09/2017		16/09/2034		15/09/2041		15/09/2061		16/09/2067	
	25/02/2002	बुध	12/02/2020	केतु	12/02/2035	शुक्र	15/01/2045	सूर्य	03/01/2062
बुध	28/05/2004	केतु	08/02/2021	शुक्र	13/04/2036	सूर्य	15/01/2046	चंद्र	04/07/2062
केतु	07/07/2005	शुक्र	10/12/2023	सूर्य	19/08/2036	चंद्र	16/09/2047	मंगल	09/11/2062
शुक्र	06/09/2008	सूर्य	15/10/2024	चंद्र	20/03/2037	मंगल	15/11/2048	राहु	04/10/2063
सूर्य	19/08/2009	चंद्र	17/03/2026	मंगल	16/08/2037	राहु	16/11/2051	गुरु	22/07/2064
चंद्र	20/03/2011	मंगल	14/03/2027	राहु	03/09/2038	गुरु	17/07/2054	शनि	04/07/2065
मंगल	28/04/2012	राहु	30/09/2029	गुरु	10/08/2039	शनि	15/09/2057	बुध	11/05/2066
राहु	05/03/2015	गुरु	06/01/2032	शनि	18/09/2040	बुध	16/07/2060	केतु	16/09/2066
गुरु	15/09/2017	शनि	16/09/2034	बुध	15/09/2041	केतु	15/09/2061	शुक्र	16/09/2067

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/09/2067		15/09/2077		15/09/2084		17/09/2102		17/09/2118	
15/09/2077		15/09/2084		17/09/2102		17/09/2118		00/00/0000	
चंद्र	16/07/2068	मंगल	11/02/2078	राहु	29/05/2087	गुरु	04/11/2104	शनि	19/09/2121
मंगल	14/02/2069	राहु	02/03/2079	गुरु	22/10/2089	शनि	18/05/2107	बुध	26/02/2122
राहु	16/08/2070	गुरु	06/02/2080	शनि	28/08/2092	बुध	23/08/2109		00/00/0000
गुरु	16/12/2071	शनि	17/03/2081	बुध	17/03/2095	केतु	30/07/2110		00/00/0000
शनि	16/07/2073	बुध	14/03/2082	केतु	04/04/2096	शुक्र	30/03/2113		00/00/0000
बुध	16/12/2074	केतु	10/08/2082	शुक्र	04/04/2099	सूर्य	16/01/2114		00/00/0000
केतु	17/07/2075	शुक्र	10/10/2083	सूर्य	27/02/2100	चंद्र	18/05/2115		00/00/0000
शुक्र	17/03/2077	सूर्य	15/02/2084	चंद्र	29/08/2101	मंगल	23/04/2116		00/00/0000
सूर्य	15/09/2077	चंद्र	15/09/2084	मंगल	17/09/2102	राहु	17/09/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 6 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।